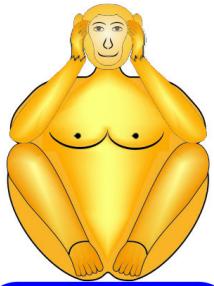
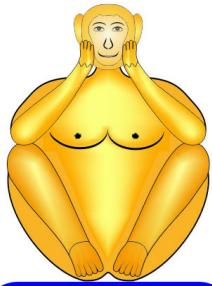




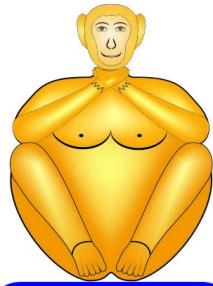
आधार जायसवाल, इंदौर
15/02/2016



बुरा मत सोचो



बुरा मत मानो



बुरा मत करो



कार्ड शिवहरे, जबलपुर
02/02/2015

वर्ष - 4 अंक - 9

इन्दौर, 15 नवंबर 2023

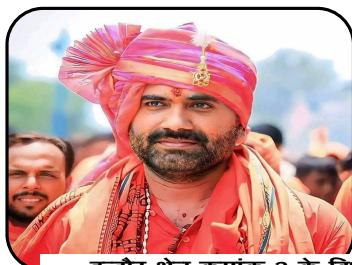
पृष्ठ - 8

मूल्य 1 रुपये

सुविचार: हर प्रयास गलतियों की शुल्कत से प्रारंभ होता है:- आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल द्वारा बन्दरों की परिकल्पना 16 मई 2010 (जबहित में जारी)

Aadhaarcardskejanaksuniljaiswal@gmail.com

'भर परिवार और अपनो को मुझे बचाना है मुझे आज ही वैकसीन लगवाना है'



इन्दौर क्षेत्र क्रमांक 3 के विधायक गोलू शुकला एवं धर्मपत्नी का स्वागत करते हुए एवं श्रवण शुकला को आधारायण ग्रन्थ भेंट करते हुए।



इन्दौर सांसद शंकर लालवानी जी



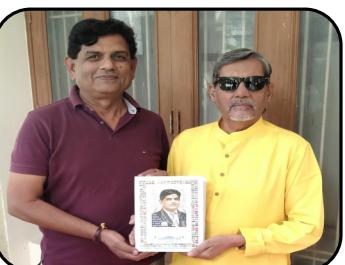
गोवा के सांसद यशोपति नायिक एवं राजेन्द्र मेवाड़ा



जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के महाबंदक श्रीगण मण्डलीं जी



प्रदीप चौरसिया जी



एसोसिएशन ऑफ इंडर्ट्रीज मध्यप्रदेश
आपका हार्डिंग स्वागत करता है।



इन्दौर कलेक्टर टी इल्लैयाराजा जी आधारायण ग्रन्थ का अवलोकन करते हुए।

शोक बैठक

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि स्व. श्री विजय चतुर्वेदी, विजया, विनीता, विराम चतुर्वेदी के पूज्य पिताजी, श्री दिवाकर चौधे, श्री राहित चतुर्वेदी (मुंबई) के सासुरजी, रियम, विराट, राशि, फुहार के दादाजी, सुमाय, मोहन, स्व. श्री मुरारी, महेश के बड़े भाई श्री वृजभूषणजी चतुर्वेदी (बी.बी.सी.) का स्वर्गवास 11.11.2023 को हो गया है। शोक बैठक मंगलवार 14.11.2023 को शाम 4.00 से 5.30 बजे तक मां आनंदमयी आश्रम (सुयश हास्पिटल के सामने) ए.बी.रोड, इन्दौर पर रखी गई है। शोकाकुल - चतुर्वेदी परिवार, गोपाल वाधवा मित्र मंडल, इन्दौर





यश-डोर, सांवरे रोड, इन्दौर



किशोर भगतजी आईका सम्मेलन नईदिल्ली



आज अखिल भारतीय वैश्य क्रांति मोर्चा की बैठक सांसद प्रतापगढ़ श्री संगम लाल गुटा जी केनिवास स्थान नॉर्थ एवेन्यू में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता वर्धमहाराष्ट्र के सांसद रामदास तडस के द्वारा की गई जिसमें अखिल भारतीय वैश्य क्रांति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल भारतीय जी ने पूर्वांचल मोर्चा के प्रभारी श्री विजय भगत जी को सर्वसम्मति से प्रदेश का अध्यक्ष मनोनीत किया।

इस अवसर पर श्रीमती मीनू जायसवाल जी को भी प्रदेश मंत्री के पद पर नियुक्त किया गया इस कार्यक्रम का मंच संचालन अनिल कुमार एडवोकेट जी द्वारा किया गया जिसमें प्रदेश प्रदेश महामंत्री श्री प्रवीण बंसल जी एस प्रदेश उपाध्यक्ष एस राहुल जी एवं अखिल भारतीय वैश्य महासभा में पूरी दिल्ली से गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए। लायन टेबेंड जी अग्रवाल (ब्लड बैंक) को मार्गदर्शन समिति का अध्यक्ष बनाया गया।



पूर्व जस्टिज उमेश माहेश्वरी, महू



जब आधार कार्ड है साथ, तो डरने की है क्या बात।



भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 विलियन + जिनियस सुनील जायसवाल व समर्स्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्यूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समर्स्त प्रियजनों को हृदय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं...



“ करता सब के कल्याण का है काम, यही आधार कार्ड का है काम ”



भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 विलियन + जिनियस सुनील जायसवाल द्वारा समर्त प्रियजनों को हृदय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं...

</				



A bronze seal depicting three lions standing on a circular base. The lions are shown in profile, facing left. The base features a circular design with a sunburst or wheel motif.

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल
व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज
द्वारा समर्पित प्रियजनों को हृदय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयाँ एवं शुभकामनाएं...



भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल
मौसमी स्टेन लैस स्टील, मासूम जायसवाल. ए.के. शर्मा जी बर्तन बाजार, इंदौर व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी,
कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रिय दिवंगत मित्रों व स्वजनों को दिल की गहराइयों से विनम्र श्रद्धांजलि...



“ करता सब के कल्याण का है काम, यही आधार कार्ड का है काम”

आधार कार्ड : ऑनलाइन धोखाधड़ी के लिए ठांगों ने बनाया 'हथियार'

नईदिल्ली। भारत में आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (ईपीएस) का उपयोग कर साइबर धोखाधड़ी के मामले बढ़ते जा रहे हैं, खासतौर पर ऐसी और सी श्रेणी के शहरों में लोग अपनी मेहनत को कमाई खो रहे हैं।

अकेले वेंगलुरु में दर्ज 116 नए मामले आंश्र प्रदेश के कडपा, तेलंगाना के हैदराबाद, बिहार के नवादा, राजस्थान के भरतपुर, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के छोटे शहरों और कस्बों से जुड़े हैं। इनके अलावा महाराष्ट्र, गुजरात, झारखण्ड समेत कई अन्य राज्य भी इसमें शामिल हैं।

आधार कार्ड आजकल भारतीयों का प्रमुख पहचान पत्र बन गया है, इसके साथ ही अब ये धोखेबाजों के लिए लोगों को धोखा देने का प्राथमिक हथियार भी बन गया है। आधार कार्ड के मामले में क्या करें और क्या न करें, ये सवाल कई लोगों के मन आता है।

आधार की सुरक्षा पर सवाल

इन मामलों के विभिन्न पहलुओं को लेकर कई सवाल उठे हैं, जैसे क्या डेटाबेस की पर्यास सुरक्षा व्यवस्था है, क्या पोर्टल क्लाउड पर एन्क्रिप्टेड हैं?

गिरफ्तार किए गए लोग के बावजूद का बकारा हो सकते हैं। उनके पीछे कोई बड़ा गिरोह हो सकता है।

सिक्योरिटी कंसल्टेंसी सर्विसेज के साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ शशिधर सीएन ने बताया, यह मामला सीबीआई के पास जाने लायक है, क्योंकि यह देश भर के अन्य मामलों के समान है।

प्राइवेट डीलरों का आधार पर जोर

लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि केवल सरकारी विभागों या एजेंसियों से जुड़े मामले सामने आए हैं।

मुंबई स्थित डायरेक्ट सेलिंग कंसल्टेंसी, स्ट्रैटेजी इंडिया के प्रांगंत आर डैनियल के मुताबिक, देश में 600 से अधिक ऑपरेशन हैं, जो अपने उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए डायरेक्ट सेलिंग मॉडल का उपयोग करते हैं।

इन परिचालनों को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000, डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम 2023, उपभोक्ता संरक्षण (प्रत्यक्ष विक्री) नियम 2021 और उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम 2020 जैसे नियमों का पालन करना होगा। ऐसे में, उन्हें भारत में स्थित सर्वर पर संवेदनशील और महत्वपूर्ण डेटा जमा करने की ज़रूरत होती है।

हालाँकि, कई डायरेक्ट सेलिंग



कंपनियां अभी भी अपने डायरेक्ट विक्रेताओं और ग्राहकों का व्यक्तिगत डेटा भारत के बाहर स्थित सर्वर पर संग्रहित करती हैं। यह डेटा ग्राहकों के पंजीकरण और उनके ऑर्डर देने के दौरान जमा किया जाता है।

उन्होंने कहा, कई फर्जी मल्टिलेवल मार्केटिंग स्कीम खुद को डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों के रूप में पेश करती हैं, निवेशकों से पैसा निकालने के लिए क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग करते हुए संवेदनशील डेटा इकट्ठा करती हैं और बेचती हैं। हमारे देश में हर हफ्ते 20 से अधिक ऐसे ऑपरेशन किए जाते हैं।

वो कहते हैं, हमारी टीम धोखाधड़ी वाले एमएलएम ऑपरेशन की पहचान करने और उनका विश्लेषण करने के लिए हर हफ्ते लगन से काम करती है। उन्हें हम अपनी स्कैम अलर्ट सूची में शामिल करते हैं। यह जनता को पौंजी एमएलएम योजनाओं में अनन्य समय, पैसा, ऊर्जा और गुडविल निवेश करने के प्रति सावधान करने के लिए है। वर्तमान में, हमारी वेबसाइट पर 4,000 से अधिक ऐसे एमएलएम घोटालों की लिस्ट दी गई है।

प्रांजल कहते हैं, एमएलएम ऑपरेशन में केवल इसी के लिए लोगों को अपने आधार के विकल्पों का इस्तेमाल करना चाहिए।

आधार को करें लॉक और अनलॉक

मुंबई स्थित ओपन लायब्रिलिटी एलायंस के प्रमुख दिनेश बरेजा ने बताया, आधार कार्ड खुद को पहचानने का सबसे आसान तरीका बन गया है, लेकिन उसमें ऐसे सुरक्षा उपाय हैं जिनसे लोग काफी हद तक अनजान हैं। एक बार उपयोग करने के बाद आप कार्ड को ब्लॉक कर सकते हैं। जब आपको इसकी जरूरत हो, आप उसे अनलॉक कर सकते हैं। यह आपके क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड के लिए लेन-देन सीमा निर्धारित करने जैसा है। पाबंदी लगाना आपके हाथ में है।

वो कहते हैं, मुझे नहीं पता कि लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने पर कोई पैसा क्यों खर्च नहीं किया जाता है। आधार में लॉक और अनलॉक करने की सुविधा है, लेकिन यह इतनी बड़ी वेबसाइट है कि लोगों को पता नहीं है कि यह सुविधा कहाँ मिलेगी। किसी



भी रूप में होने वाली चोरी के शुरू होने का प्रारंभिक बिंदु यह है कि आपने जानबूझकर या अनजाने में किसी चीज पर निलक किया है। इसके बाद आप पर आपराधिक हमला हो जाता है। यह वैसे ही है जैसे कि कोई चोर आपके घर में घुस आया हो। चोरी करने से पहले वह कुछ देर तक घर का निरीक्षण करता है।

वया करें और वया न करें?

साइबर विशेषज्ञों, सलाहकारों और पुलिस से बातचीत के आधार पर आइए जानते हैं कि क्या करें और क्या न करें।

दस्तावेजों में आधार कार्ड के नंबर का उपयोग करना अनिवार्य नहीं है। वास्तव में, कानून में यह अनिवार्य है कि आधार का उपयोग के बावजूद कुछ परिस्थितियों में ही किया जाना चाहिए।

बैंक खाते खोलने, मोबाइल कनेक्शन लेने, स्कूल में एडमिशन लेने, निजी कंपनियों को बताने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र या राशन कार्ड जैसे दूसरे पहचान पत्रों का उपयोग करना चाहिए।

अगर किसी दस्तावेज को सार्वजनिक

किया जा रहा है तो पूरा आधार नंबर न लिखें। अपने आधार कार्ड नंबर के केवल अंतिम चार अंक का ही उपयोग करें।

आप अपने आधार कार्ड के अंतिम चार अंकों के साथ 1947 पर एक एसएमएस भेज सकते हैं। इस तरह अस्थायी उपयोग के लिए एक वर्चुअल आईडी नंबर प्राप्त होगा। एक बार इस्तेमाल करने के बाद आधार कार्ड को लॉक या अनलॉक करने की सुविधा यूआईडीएआई द्वारा प्राप्त होती है।

सरकारी संस्थानों/संगठनों को उंगलियों के साफ निशान की अनुमति नहीं देनी चाहिए। दस्तावेज पर उंगलियों के निशान अस्पष्ट होने चाहिए।

यदि दस्तावेजों की प्रतियां ली जा रही हैं और अंगूठे का निशान लिया जा रहा है तो उस निशान को मिटा देना चाहिए ताकि कोई उसकी नकल न बना सके।

एक ही दस्तावेज पर आधार नंबर, फिंगरप्रिंट और नाम का इस्तेमाल न करें।

अनेक बैंक खाते, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड पर सभी लेनदेन की एक सीमा तय करें। जब आप इसका उपयोग करें तभी इसे डिसेम्बल करें।

यदि आप साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं, तो तुरंत साइबर धोखाधड़ी के राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। पुलिस उस खाते को ट्रैक करेगी जहां पैसा ट्रांसफर किया गया है और राशि वापस पाने का प्रयास करेगी। पैसे की रिकवरी भाग्य की बात है।

शीर्षीसी से सामाजिक

अभी भी फ्री में अपडेट कर सकते हैं आधार कार्ड, 14 दिसंबर है आखिरी डेट

यदि आपका भी आधार कार्ड 10 साल पहले बना है तो आपको अपने आधार कार्ड को अपडेट करना होगा। कुछ महीने पहले तक तो आधार अपडेट की कोई जरूरत नहीं थी, लेकिन अब सरकार ने कहा है कि यदि आपका आधार कार्ड 10 साल से पुराना है या 10 साल में एक बार भी अपडेट नहीं हुआ है तो आपको अपने आधार कार्ड को अपडेट करना होगा। आधार अपडेट की सुविधा 14 दिसंबर 2023 तक फी है और उसके बाद पैसे देने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि घर बैठे आप फ्री में अपने आधार कार्ड को कैसे अपडेट कर सकते हैं...

आधार अपडेट के लिए आपको दो जरूरी डॉक्यूमेंट की जरूरत होगी। पहला पहचान पत्र और दूसरा एड्रेस प्लफ। आमतौर पर आधार अपडेट के लिए आधार सेंटर पर 50 रुपये का शुल्क लगता है लेकिन यूआईडीएआई के मुताबिक 14 दिसंबर तक यह सेवा फ्री है। पहचान पत्र के तौर पर आप बोर्ट कार्ड दे सकते हैं। मोबाइल या लैपटॉप से यूआईडीएआई की वेबसाइट पर जाएं। इसके बाद अपडेट आधार के विकल्प पर क्लिक करें। अब आधार नंबर डालकर ओटोपी के जरिए लॉगिन करें। इसके बाद डाक्यूमेंट अपडेट पर क्लिक करें। अब बोर्ट कार्ड दे सकते हैं। इसके बाद आपको एक रिक्रेस्ट नंबर मिलेगा और फॉर्म सबमिट हो जाएगा। रिक्रेस्ट नंबर से आप अपडेट का स्टेटस भी चेक कर सकते हैं। इसके कुछ दिनों बाद आपका आधार अपडेट हो जाएगा।